Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Part A

Faculty: Humanities -

Programme: ***हिंदी संवाद कौशल*** **(Communication Skills) GOEC**

POs:

1. *छात्रों में संवाद कौशल का विकास होगा।*
2. *छात्रों के आत्मविश्वास में अभिवृद्धि होगी।*
3. *अभिव्यक्ति कौशल में निपुणता आयेंगी।*
4. *संवाद कौशल के माध्यम से आपसी संबंधों में वृद्धि होगी।*

PSOs:

1. *गद्य-पद्य के माध्यम से संवाद कौशल संप्रेषित होगा।*
2. *संचार कौशल के विविध माध्यमों की जानकारी छात्रों को होगी।*
3. *छात्रों को उत्तम श्रोता बनने का गुण विकसित होगा।*
4. *साहित्यिक मूल्यांकन करने के ज्ञान में वृद्धि होगी।*

Employability Potential of the Programme:

Part B

Syllabus Prescribed for 2022-23 Year UG/PG Programme

Programme:

B.A. Semester 1

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)
----------	***हिंदी संवाद कौशल*** **(Communication Skills)**	**Per Week 4**

प्रश्न पत्र – सी.बी.सी.एस.
हिंदी भाषा संवाद कौशल

प्रस्तावना : -

संचार कौशल व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारता है और परिपक्वता लाने का कार्य करता है। इसके माध्यम से अन्य लोगों के विचारो, व्यवहार और व्यक्तित्व में परिवर्तन लाया जा सकता है। संचार कौशल में भाषाओं की शुद्धता और सुव्यवस्था होना अतिआवश्यक है। इसके अभाव में उचित संचार माध्यम प्रस्थापित नहीं हो सकता। जीवन में अच्छा संचार कौशल यह सुनिश्चित करेगा कि आपके आस-पास के सभी लोग आपको समझें और आप उन्हें समझें। आप आत्मविश्वासी और दृढ़ निश्चयी बनेंगे। प्रेषक और प्राप्तकर्ता के मध्य संबंधों को अधिक सम्मान, प्रशंसा और आनंद द्विगुणीत करना होगा, यह अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इकाई 1. संवाद कौशल का उद्भव एवं विकास, अर्थ, परिभाषा, प्रकार तथा सिद्धांत

इकाई 2. संचार कौशल के प्रकार :

1. *मौखिक संवाद*
2. *गैर मोखिक संवाद*
3. *अनकहा संवाद*
4. *श्रवण संवाद*
5. *लिखित संवाद*

इकाई 3. संचार कौशल के तत्व और विशेषताएँ :

1. *संदेश*
2. *प्रेषक*
3. *माध्यम*
4. *प्राप्तकर्ता*

इकाई 4. संचार कौशल का महत्व :

इकाई 5. संचार कौशल का विकास :

1. *आत्मविश्वास*
2. *अच्छा श्रोता*
3. *सरल भाषा*
4. *आत्ममुग्ध*
5. *प्रभावशीलता (आँखों में आँखे डालकर)*
6. *आलोचना से बचे*
7. *शारीरिक भाषा*

आंतरिक मूल्यांकन

गद्य, पद्य वाचन (दृश्य-श्राव्य माध्यम)

लिखित प्रश्न पत्र – ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन -२० अंक

कुल १०० अंक

प्रश्नपत्र का स्वरुप –

समय ३ घंटे पूर्णांक – ८०

प्रश्न १ इकाई एक से एक प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे। 1x12=12

प्रश्न २ इकाई एक से एक प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे। 1x12=12

प्रश्न ३ इकाई एक से एक प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे। 1x12=12

प्रश्न ४ इकाई एक से एक प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे। 1x12=12

प्रश्न ५ इकाई एक से एक प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे। 1x12=12

प्रश्न ६ सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल बीस प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से सभी प्रश्न को हल करना अनिवार्य होगा.

1x20=20 अंक

COs

1. *संचार कौशल में वृद्धि(मौखिक, गैर मौखिक, श्रवन कौशल)*
2. *छात्रों के प्रभावशीलता में बढोत्तरी होगी।*
3. *छात्र संचार कौशल के विविभ माध्यमों का उपयोग करने में सक्षम होंगे।*
4.. *संचार कौशल से छात्रों को रोजगार प्राप्ति होगी।*

Unit	**Content**
Unit I	**4(periods)**
Unit II	**4(periods)**
Unit III	**4(periods)**
Unit IV	**4(periods)**
Unit V	**4(periods)**
Unit VI if applicable	**4(periods)**
***SEM**	
1.*संचार कौशल में वृद्धि(मौखिक, गैर मौखिक, श्रवन कौशल)* 2.*छात्रों के प्रभावशीलता में बढोत्तरी होगी।* 3.*छात्र संचार कौशल के विविभ माध्यमों का उपयोग करने में सक्षम होंगे।* 4..*संचार कौशल से छात्रों को रोजगार प्राप्ति होगी।*	
**Activities	1. *गद्य, पद्य वाचन (दृश्य-श्राव्य माध्यम)* 2. *परिचर्चा* *Add more if needed* **(periods)**

Reference Books:

१)प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी – डॉ.कृष्णकुमार गोस्वामी

२)प्रयोजनमूलक भाषा – डॉ.रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव

३)प्रयोजनमूलक भाषा – श्री विनोद गोदरे

४)प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ.माधव सोनटक्के

५)प्रयोजनी हिन्दी स्वरुप और व्यापकता – गोपाल शर्मा

६)इक्कीसवीं सदी और हिन्दी पत्रकारिता - सं.अमरेद्र कुमार निशांत सिंह सामायिक प्रकाशन, नई दिल्ली

७) जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता – डॉ.अर्जुन तिवारी, जयभारती प्रकाशन, लालजी मार्केट, मायन प्रेस रोड, इलाहाबाद-३

८) संपादित पुस्तक प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद-प्रो.डॉ.शंकर बुंदेले, बोके प्रिन्टर्स, अमरावती.

Weblink to Equivalent MOOC on SWAYAM if relevant:

Weblink to Equivalent Virtual Lab if relevant:

Any pertinent media (recorded lectures, YouTube, etc.) if relevant:

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Part B

Faculty: Humanities -

Programme: ***हिंदी संवाद कौशल (*****Communication Skills) GOEC**

Employability Potential of the Programme:

Part B

Syllabus Prescribed for 2022-23 Year UG/PG Programme

Programme:

B.A. Semester II

Code of the Course/Subject	**Title of the Course/Subject**	**(Total Number of Periods)**
----------	***हिंदी संवाद कौशल*** **(Communication Skills)**	**Per Week 4**

प्रश्न पत्र – सी.बी.सी.एस.

हिंदी भाषा संवाद कौशल

इकाई 1. संवाद कौशल
इकाई 2. युवा संवाद कौशल
इकाई 3. भाषिक कौशल में शब्दों का महत्व

1. *एकार्थी शब्द-अनेकार्थी शब्द*
2. *पर्यायवाची शब्द*
3. *विलोमआर्थी शब्द*
4. *अनेक शब्दों के लिए एक शब्द*
5. *समानार्थी शब्द*

इकाई 4. साहित्यिक विधाओं का संवाद लेखन

इकाई 5. इलेक्ट्रॉनिक संचार कौशल का विकास :

1. *ई-मेल*
2. *वेब पब्लिशिंग*
3. *व्हाट्स अप/इनस्ट्राग्राम/टेलीग्राम/स्नॅपचैट*
4. *फेसबुक*

आंतरिक मूल्यांकन
संवाद कौशल से आपसी संबंधों को दर्शानेवाला संवाद लेखन

लिखित प्रश्न पत्र – ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन -२० अंक

कुल १०० अंक

प्रश्नपत्र का स्वरुप –
समय ३ घंटे पूर्णांक – ८०

प्रश्न १ इकाई एक से एक प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे। 1x12=12
प्रश्न २ इकाई एक से एक प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे। 1x12=12
प्रश्न ३ इकाई एक से एक प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे। 1x12=12
प्रश्न ४ इकाई एक से एक प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे। 1x12=12
प्रश्न ५ इकाई एक से एक प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे। 1x12=12
प्रश्न ६ सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित कुल बीस प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से सभी प्रश्न को हल करना अनिवार्य होगा.
1x20=20 अंक

COs

1. *संचार कौशल में वृद्धि(मौखिक, गैर मौखिक, श्रवन कौशल)*
2. *छात्रों के प्रभावशीलता में बढोत्तरी होगी।*
3. *छात्रों में भाषिक कौशल का विकास होगा तथा उपयोग करने में सक्षम होंगे।*
4. *साहित्यिक विधाओं में कौशल्य निपुणता छात्रों में होगी।*

Unit	**Content**
Unit I	**4 (periods)**
Unit II	**4 (periods)**
Unit III	**4 (periods)**
Unit IV	**4 (periods)**
Unit V	**4 (periods)**
Unit VI if applicable	**4 (periods)**
***SEM**	
1.*संचार कौशल में वृद्धि(मौखिक, गैर मौखिक, श्रवन कौशल)* 2.*छात्रों के प्रभावशीलता में बढोत्तरी होगी।* 3.*छात्र संचार कौशल के विविभ माध्यमों का उपयोग करने में सक्षम होंगे।* 4..*संचार कौशल से छात्रों को रोजगार प्राप्ति होगी।*	
**Activities	*संवाद कौशल से आपसी संबंधों को दर्शानेवाला संवाद लेखन* *4/* **(periods)**

Reference Books:

१)प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी – डॉ.कृष्णकुमार गोस्वामी

२)प्रयोजनमूलक भाषा – डॉ.रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव

३)प्रयोजनमूलक भाषा – श्री विनोद गोदरे

४)प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ.माधव सोनटक्के

५)प्रयोजनी हिन्दी स्वरुप और व्यापकता – गोपाल शर्मा

६)इक्कीसवीं सदी और हिन्दी पत्रकारिता - सं.अमरेद्र कुमार निशांत सिंह सामायिक प्रकाशन, नई दिल्ली

७) जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता – डॉ.अर्जुन तिवारी, जयभारती प्रकाशन, लालजी मार्केट, मायन प्रेस रोड, इलाहाबाद-३

८) संपादित पुस्तक प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद-प्रो.डॉ.शंकर बुंदेले, बोके प्रिन्टर्स, अमरावती.

Weblink to Equivalent MOOC on SWAYAM if relevant:

Weblink to Equivalent Virtual Lab if relevant:

Any pertinent media (recorded lectures, YouTube, etc.) if relevant: